M 25096

Reg. No. : .....

Name : .....

II Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.) Examination, March 2014

HINDI – LANGUAGE AND LITERATURE

Optional – 2 : Paper – VIII : Spl. Author – Hazari Prasad Dwivedi

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

2) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना का विवरण दीजिए।

3) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की सौन्दर्यात्मकता बेजोड है। अपनी राय प्रकट कीजिए।

4) निपुणिका की चरित्रगत विशेषताओं पर विचार कीजिए। **(2×12=24)**

II. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1) रैक्व के आख्यान का परिचय दीजिए।

2) 'अनामदास का पोथा' मानवतावाद का आख्यान है। अपना विचार प्रकट कीजिए।

3) जाबाला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4) सिद्ध कीजिए कि 'अनामदास का पोथा' एक सफल उपन्यास है। **(2×12=24)**

III. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1) मैं तुझे कीचड में छोडकर नहीं जा सकता। मेरे प्रति तेरा मोह कट गया है, यह अच्छी बात है।

2) 'अब तुम बचने का रास्ता खोज रहे हो। मेरी जैसी स्त्री से तुम उचित कार्य में सहायक बनाने की आशा रखते हो ?'

3) 'होने दो न, पर उसे अस्वाभाविक बनाना तो ठीक नहीं।'

4) 'देवी, आज इसी स्थान पर विश्राम करें। कल मैं कोई और व्यवस्था करूँगा। मुझे इस स्थान पर आपको देखकर बडा कष्ट हो रहा है; परविवश हूँ।'

5) आज मदन पूजा का दिन है। आज कुमारियों ने व्रत किया होगा, कामदेव की पूजा की होगी और वरदान में अपने अभिलषित वरों को माँग लिया होगा। **(2×6=12)**

P.T.O.

IV. A) किन्हीं **दो** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

1) बाणभट्ट की चरित्रगत विशेषताएँ।

2) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में चित्रित प्रकृति-चारुता पर विचार कीजिए।

3) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में व्यक्त हर्षकालीन सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

4) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में संस्कृत भाषा का प्रभाव है - व्यक्त कीजिए। **(2×5=10)**

B) किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) औषस्ति का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2) आचार्य औदुम्बरायण की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3) 'अनामदास का पोथा' में चित्रित रंगभूमि के निर्माण का विवरण दीजिए।

4) ऋएका की भूमिका क्या है ? **(2×5=10)**